वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

वाराणसी विकास प्राधिकरण से सम्बन्धित दिनांक 29.09.2025 को वाराणसी शहर में प्रकाशित न्यूज पेपर",अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, जनवार्ता, तरुणमित्र न्यूज़,"समाचार पत्र कटिंग का विवरण।

अमर उजाला–दि0 29.09.2025

बिजली नहीं तो भी नजदीकी रोपवे स्टेशन तक पहुंच जाएगा गंडोला

रात में भी चलेगा, अब नए साल में होगा संचालन, तेज हवा पर धीमी हो जाएगी रफ्तार

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। दुनिया के तीसरे पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का संचालन काशी में सुरक्षित तरीके से होगा। अगर बिजली गुल हो गई, तो भी गंडोला आंतरिक बिजली आपूर्ति से नजदीकी रोपवे स्टेशन तक पहुंच जाएगा। तेज हवा चली तो गंडोला अपने आप धीमा हो जाएगा। गंडोला रास्ते में नहीं खुलेगा। इसका संचालन रात में भी किया जा सकता है। गंडोला के अंदर एसी लगे हैं। गर्मी से बचाव की अन्य सुविधाएं भी हैं।

वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और एनएचएनएमएल की प्रोजेक्ट डायरेक्टर पूजा मिश्रा ने रविवार को रोपवे की खासियत बताई। वीडीए सभागार में पत्रकारों को बताया कि यह पहाड़ी इलाकों में चल रहे रोपवे से अलग, सुरक्षित और हाईटेक है। इसमें यूरोपियन स्टैंडर्ड के सेफ्टी उपकरण लगाए गए हैं। निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बना है। रोपवे के लिए अलग से बिजली उपकेंद्र बना है। किसी वजह से जनरेटर नहीं चला, तो भी गंडोला तार के सहारे हवा में नहीं रुकेगा। स्टेशन तक आराम से पहुंच जाएगा।

अब नए साल से रोपवे का संचालन, 148 गंडोला चलेंगे : वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने बताया कि कहा कि दिसंबर तक रोपवे की सुरक्षा जांच होगी। लोड टेस्टिंग का काम तेजी से चल रहा है। रोपवे का संचालन अब 2026 में होगा। जब सभी 148 गंडोला का लोड रोप पर डालकर चला लिया जाएगा, तब रोपवे को आम जनता के लिए खोला जाएगा। यह काशी के लिए सिर्फ अत्याधुनिक अर्बन ट्रांसपोर्ट का साधन नहीं होगा बल्कि पर्यटन, रोजगार और शहर के आर्थिक विकास का नया द्वार खोलेगा।

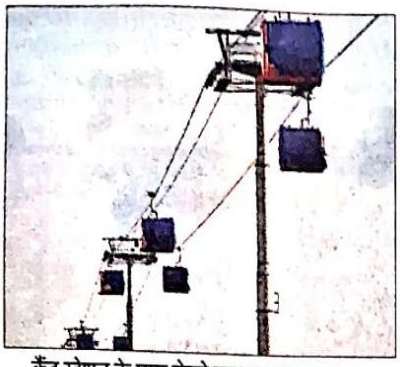

कैंट स्टेशन के पास रोपवे का ट्रायल। अमर उजाला

ये खासियत भी

- रोपवे से प्रति घंटे में 3000 लोग आ-जा सकते हैं। यानी 16 घंटे के संचालन में प्रतिदिन लगभग 96 हजार लोगों का आना-जाना होगा।
- यह क्षमता भारत के सबसे बड़े गुलमर्ग रोपवे की तुलना में 2.5 गुना अधिक है।
- हाई पावर ड्राइव्स एवं स्टैंडबाई सिस्टम्स, बड़े टर्मिनल्स, एडवांस्ड कंट्रोल, कम्युनिकेशन्स सिस्टम, बेहतर इवैक्यूएशन और रेस्क्यू प्रावधान हैं।
- लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और हाई क्वालिटी मेटेरियल्स (गंडोला और रोप्स सहित) का उपयोग किया जा रहा है।
- इमरजेंसी के लिए तीन लेयर ऑफ सेफ्टी बनाई गई है

रोपवे का दुष्प्रचार, अफवाह फैलाने में दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वाराणसी। *सोशल मीडिया पर रोपवे का दुष्प्रचार और अफवाह फैलाने मामले में रविवार की रात सिगरा थाने में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। डीसीपी काशी गौरव बंशवाल ने बताया कि एक्स हैंडल पर अशोक और डॉ. शीतल यादव की आईडी से एक वीडियो प्रसारित किया गया। यह दिखाया गया कि बनारस में चार किमी का रोपवे 800 करोड़ की लागत से बना रोपवे का उद्घाटन होते ही गंडोला टूटकर नीचे गिरा। इसमें भाजपा के नेता भी नीचे गिर गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संबंध छत्तीसगढ़ से है। ब्यूरो*

16 मीटर के दायरे के भवनों की ऊंचाई 10 मीटर से ज्यादा नहीं

उपाध्यक्ष ने बताया कि रोपवे कॉरिडोर के दोनों तरफ आठ-आठ मीटर के दायरे में भवनों की ऊंचाई 10 मीटर रखी गई है। यानी कुल कुल दायरा 16 मीटर का है। इस दायरे में ऊपर की तरफ निर्माण प्रतिबंधित रहेगा। 10 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई के भवन नहीं बनवाए जा सकेंगे। इसकी निगरानी कराई जाएगी। अलग-अलग जोन के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

नए कॉरिडोर के लिए सर्वे, एक कंसल्टेंट इंजीनियर, रोपवे इंस्पेक्टर की होगी नियुक्ति : उपाध्यक्ष ने बताया कि नए कॉरिडोर के लिए सर्वे शुरू करा दिया गया है। फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार हो रही है। रोपवे सबसे बड़ा टावर 160 फीट है जो सिगरा सुविधा साड़ी केंद्र के पास है। कार्यदायी एजेंसी को 15 वर्ष संचालित करने के लिए अनुबंध किया गया। रोपवे की सुरक्षा के लिहाज से एक कंसल्टेंट इंजीनियर, रोपवे इंस्पेक्टर रखे जाएंगे।

रोपवे का किराया कम होगा, बजट होटल बनेगा : उपाध्यक्ष ने बताया कि रोपवे का किराया काफी कम होगा। इसकी नियमावली बन रही है। इसके आर्थिक विकास मॉडल की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। सभी स्टेशनों पर कमर्शियल गतिविधियां शुरू की जाएंगी। चारों स्टेशनों पर दो लाख स्क्वायर फीट में व्यावसायिक गतिविधियां शुरू की जाएंगी। बजट होटल बनेगा। दुकानों और होटलों के लिए अभी से काफी डिमांड आ रही है। आवंटन की प्रक्रिया नीलामी से पूरी की जाएगी।

दूरी 3.8 किलोमीटर, लागत 815.58 करोड़ : उपाध्यक्ष ने बताया कि भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्वतमाला प्रोजेक्ट के तहत एशिया का पहला अर्बन रोपवे प्रोजेक्ट शहरी परिवहन (अर्बन ट्रांसपोर्ट) के रूप में काशी में शुरू किया है। यह प्रोजेक्ट 3.8 किलोमीटर का है जो वाराणसी कैंट स्टेशन से गोदौलिया तक रहेगा। इसके बीच कैंट के अलावा काशी विद्यापीठ, रथयात्रा स्टेशन हैं। गिरजाघर एक टेक्निकल स्टेशन है। इस प्रकार कुल 5 स्टेशन और 29 टावर बनाए जाएंगे। इस परियोजना की कुल लागत 815.58 करोड़ निर्धारित हुई है। इसमें 15 वर्षों का ओएंडएम (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) भी शामिल है।

दैनिक जागरण–दि0 29.09.2025

तेज हवा चलने पर धीमी हो जाएगी गोंडोला की रफ्तार

पत्रकारवार्ता के दौरान वीडीए सभागार में प्रोजेक्ट निदेशक पूजा मिश्रा, वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और अपर सचिव गुडाकेश शर्मा (बाएं से) ● सौः वीडीए

जागरण संवाददाता, वाराणसी : रोपवे संचालन को लेकर सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं प्रसारित की जा रही है। दिसंबर तक ट्रायल होने के साथ अगले वर्ष में रोपवे का संचालन होगा। कब होगा, इसकी तिथि तय नहीं है। देश में पहली बार पब्लिक ट्रांसपोर्ट चलने वाले रोपवे दैवीय आपदा के लिहाज से काफी सुरक्षित है। तेज हवा या बिजली कड़कने पर गोंडोला खुद धीमा हो जाएगा। बिजली आपूर्ति बंद होने की स्थिति में गोंडोला रास्ते में नहीं रुकेगा और नजदीक स्टेशन पर पहुंच जाएगा। गोंडोला एक बार बंद होने पर अंदर से नहीं खुलेगा। स्टेशन पहुंचने पर ही कर्मी खोलेंगे। यह जानकारी वाराणसी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और एनएचएनएमएल की प्रोजेक्ट निदेशक पूजा मिश्रा ने रविवार को वीडीए सभागार में संयुक्त पत्रकारवार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि यह रोपवे पहाड़ी इलाकों में चल रहे रोपवे से अलग और हाईटेक है। कोशिश है कि किराया कम से कम हो। आर्थिक

अगले साल से होगा रोपवे का संचालन, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

आपदा के लिहाज से सुरक्षित होगा पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम

विकास माडल कार्ययोजना तैयार की जा रही है। दो लाख वर्ग फीट में सभी स्टेशनों पर व्यवसायिक गतिविधियां होंगी। बजट होटल भी बनेगा। इनका आवंटन नीलामी प्रक्रिया से होगा। इससे मिलने वाले आय से रोपवे का संचालन किया जाएगा। रोपवे प्रोजेक्ट में यूरोपियन स्टैंडर्ड के सेफ्टी उपकरण लगाए गए हैं। गोंडोला कब खुलेगा और कब बंद होगा। इसकी मानीटरिंग कंट्रोल रूम से होगी। रोपवे की सुरक्षा के लिहाज से एक कंसल्टेंट इंजीनियर, रोपवे इंस्पेक्टर रखे जाएंगे। रात में भी गोंडोला संचालित हो सकता है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत सबसे बड़ा टावर 160 फीट का बनाया गया है, जो सिगरा में स्थित है।

संबंधी अन्य खबरों के लिए क्यूआर करें स्कैन।

हिन्दुस्तान–दि0 29.09.2025

रोप वेः बोले अधिकारी, वर्ष के अंत तक प्रोजेक्ट का उद्घाटन संभावित है

तेज हवा, बिजली कड़कने पर धीमा हो जाएगा गंडोला

वाराणसी, हिटी। अर्बन ट्रांसपोर्ट के लिए वाराणसी में चलने में वाला देश का पहला रोप-वे दैवीय आपदा से सुरक्षित है। तेज हवा, आकाशीय बिजली कड़कने पर गंडोला स्वयं धीमे हो जाएगा। बिजली आपूर्ति बंद होने पर यह खुद नजदीकी स्टेशन पर पहुंच जाएगा। कंट्रोल रूम से एक बार गंडोला बंद होने के बाद अंदर से नहीं खुलेगा।

यह जानकारी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और एनएचएनएमएल की प्रोजेक्ट निदेशक पूजा मिश्रा ने संयुक्त रूप से दी। दोनों रविवार को वीडीए सभागार पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दोनों अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का लोकार्पण वर्ष के अंत में संभावित है। रोपवे का किराया कम होगा। इसके लिए चारों स्टेशनों पर कॉमर्शियल गतिविधियां शुरू की जाएंगी। दुकानों और होटलों के लिए अभी से डिमांड आ रही है। इनका आवंटन नीलामी प्रक्रिया से होगा। प्रोजेक्ट के अंतर्गत यूरोपियन स्टैंडर्ड के सेफ्टी उपकरण लगाये जा रहे हैं। बिजली जाने की स्थिति में जनरेटर चलाए जाएंगे। इसके बावजूद भी कोई दिक्कत आती है तो गंडोला ऊपर से खोला जा सकता है। इसके लिए एक बड़ी क्रेन की मदद ली जाएगी, जो सभी स्टेशन पर मौजूद रहेगी। रोपवे की सुरक्षा के लिहाज से एक कंसल्टेंट इंजीनियर, रोपवे इंस्पेक्टर रखे जाएंगे। प्रोजेक्ट के अंतर्गत सबसे बड़ा टावर 160 फीट का बनाया गया है, जो सिगरा के पास स्थित है। कार्यदायी एजेंसी को 15 वर्ष तक इसका संचालन करेगी। रोपवे कॉरिडोर 16 मीटर का होगा।

प्रेसवार्ता के दौरान सवालों का जवाब देतीं एनएचएनएमएल की प्रोजेक्ट निदेशक पूजा मिश्रा, वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और अपर सचिव गुडाकेश शर्मा (बाएं से क्रमशः)।

कार्रवाई : गंडोला गिरने का फर्जी वीडियो पोस्ट करने में दो पर केस

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट हुआ है वीडियो
- वीडियो को वाराणसी का बता कर राजनीतिक टिप्पणी की

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' हैंडल पर किसी अन्य स्थान पर रोप-वे का गंडोला गिरने का वीडियो पोस्ट करके उसे वाराणसी का बताने और राजनीतिक बयानबाजी करने पर पुलिस ने रविवार को दो लोगों पर केस दर्ज किया है। डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल के आदेश और रोडवेज चौकी प्रभारी पुष्कर दुबे की तहरीर पर सिगरा थाने में केस दर्ज हुआ। आपका अपना अखबार 'हिन्दुस्तान' वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

एक यूजर डॉ. शीतल यादव ने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया था। लिखा था, 'बनारस में मोदी जी का चार किमी का रोपवे 800 करोड़ की लागत से बना उद्घाटन होते डिब्बा टूटकर नीचे गिरा और मजे की बात है कि इसमें भाजपा का नेता भी साथ में गिर पड़ा इतनी लागत और नतीजा धड़ाम'। एक अन्य यूजर अशोक दानोदा ने भी अपने एक्स हैंडल से यही वीडियो और संदेश पोस्ट किया है। पुलिस ने भारत सरकार के रोप-वे ड्रीम प्रोजेक्ट के छवि को बदनाम करने के आरोप यह कार्रवाई की है।

वाराणसी विकास प्राधिकरण वाराणसी

राजा उदय प्रताप मार्ग पन्ना लाल पार्क वाराणसी-221002

Ph: 0542-2283305/06, Fax: 0542-2283307, E-mail: vdavaranasi@gmail.com, Website:www.vdavns.com

जनवार्ता–दि0 29.09.2025

काशी में देश का पहला हाई-टेक अर्बन रोप-वे सुरक्षित और सुविधाजनक

रविवार को अर्बन रोप-वे के बारे में मीडिया से बात करते वीडीए वीसी पुलकित गर्ग व एनएचएनएमएल की प्रोजेक्ट निदेशक पूजा मिश्रा तथा गंडोला का होता परीक्षण।

वाराणसी (जनवार्ता)। काशी में अर्बन ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में देश की पहली हाई-टेक रोप-वे परियोजना अंतिम चरण में है। कैंट स्टेशन से गोदौलिया तक करीब 3.8 किलोमीटर लंबा यह रोप-वे न केवल आधुनिक तकनीक से लैस होगा, बल्कि दैवीय आपदाओं और बिजली कटौती जैसी परिस्थितियों में भी यात्रियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित रहेगा।

वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग और एनएचएनएमएल की प्रोजेक्ट निदेशक पूजा मिश्रा ने विकास प्राधिकरण सभागार में रविवार को प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि गंडोला तेज हवा या बिजली गिरने जैसी स्थिति में स्वतः धीमा हो जाएगा और पास के स्टेशन पर सुरक्षित रूप से पहुंच जाएगा। इसके अलावा, एक बार बंद होने के बाद गंडोला के दरवाजे अंदर से नहीं खुलेंगे, लेकिन आपात स्थिति में बड़ी क्रेन की मदद से यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सकेगा।

हाईटेक सुविधाएँ और सुरक्षा: इस रोप-वे को यूरोपीय स्टैंडर्ड के सुरक्षा उपकरणों से लैस किया जा रहा है। सभी स्टेशनों पर कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं, जहां से गंडोला की चाल, बंद और संचालन की स्थिति मॉनीटर की जाएगी। बिजली जाने पर जनरेटर और आंतरिक बिजली आपूर्ति की व्यवस्था गंडोला संचालन को निरंतर बनाए रखेगी। गंडोला के अंदर वातानुकूलन की सुविधा होगी, जिससे गर्मियों में भी यात्री आरामदायक सफर कर सकेंगे।

आर्थिक और व्यावसायिक मॉडल: चारों स्टेशनों पर व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाई जा रही है। बजट होटल, दुकानों और अन्य वाणिज्यिक केंद्रों के लिए पहले से ही काफी डिमांड आ रही है।

रोप-वे की जानिये खास बातें

- कैंट स्टेशन से गोदौलिया तक 3.8 किलोमीटर तक लंबा रोप-वे
- 815 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा
- गंडोला आपदा की स्थिति में स्वयं नियंत्रित होकर पास के स्टेशन पर पहुंचेगा
- एयर कंडीशनिंग और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों से लैस

इनका आवंटन नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। परियोजना की पूरी लागत लगभग 815.58 करोड़ रुपये प्रस्तावित है।

तकनीकी विवरण: रोप-वे कॉरिडोर की चौड़ाई 16 मीटर होगी, किनारों पर निर्माण पर प्रतिबंध रहेगा और किनारे बनने वाले भवन की ऊंचाई अधिकतम 10 मीटर निर्धारित की गई है। इस परियोजना में सबसे बड़ा टावर 160 फीट ऊँचा होगा, जो सिगरा स्थित सुविधा साड़ी केंद्र के पास बनाया जाएगा। परियोजना का संचालन कार्यदायी एजेंसी 15 वर्षों के लिए करेगी।

परियोजना की प्रगति: वर्तमान में कैंट स्टेशन, भारत माता मंदिर परिसर, रथयात्रा क्षेत्र, गोदौलिया चौराहा और गिरिजाघर चौराहे पर स्टेशन और टर्मिनल स्टेशन बनाए जा रहे हैं। नए कॉरिडोर के सर्वे और फीजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। परियोजना का लोकार्पण वर्ष के अंत तक संभावित है।

वाराणसी में इस रोप-वे परियोजना से न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। यह परियोजना शहर के अर्बन ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में नई तकनीक और सुरक्षा मानकों की मिसाल बनेगी।